LITTERA PUBLIC SCHOOL

CLASS IV **CHAPTER 10** **HINDI**

चूहे की दिल्ली यात्रा

यह कविता रामधारी सिंह दिनकर के द्वारा लिखी गई है। कविता में चूहे ने चुहिया से कहा कि मैं आजादी का जश्न देखने के लिए दिल्ली जाऊंगा तुम लोग अपने अपने घरों में बंद रहना एक बिल्ली तुम लोगों पर घात लगाए बैठी है। मैं जा रहा हूं लाल किले पर तिरंगे झंडे को देख लूंगा घूम लूंगा दिन रात फुर्सत मिलेगा तो मैं प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से भी मिल लूंगा। इस तरह से या कविता एक हास्य प्रधान कविता है।

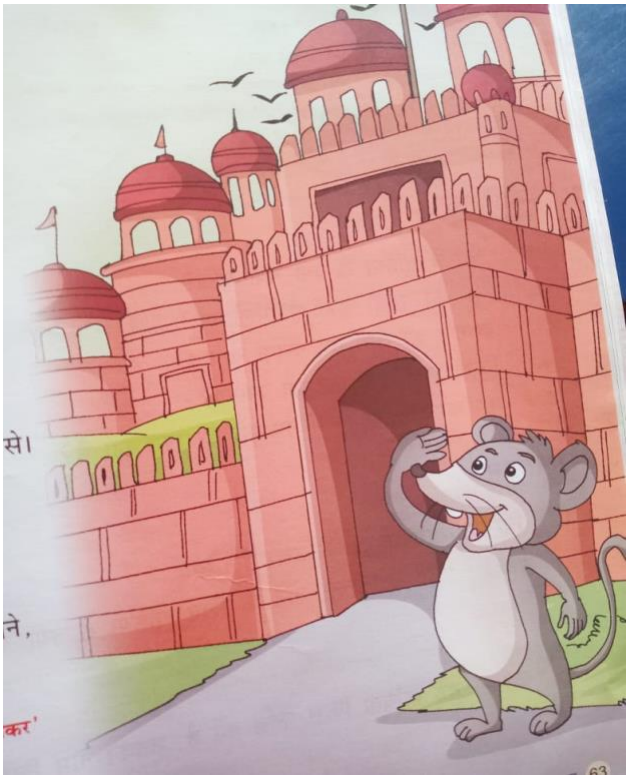

पाठ में आए हुए कठिन शब्द

दिल्ली

चुहिया

पगड़ी

बिल्ली

आजादी

जमाना

तिरंगे

अंग्रेज

राष्ट्रपति

प्रधानमंत्री

खिल्ली

जश्न

शब्दार्थ

मूंग---मूंग की दाल

घात लगाना-हमले की तैयारी करना

जश्न–समारोह

किल्ली ----कुंडी

काबू---अधिकार

फुर्सत----खाली समय नगर

खबरदार–सावधान

आजादी----स्वतंत्रता

जमाना–युग

लाट साहब ---अंग्रेज प्रशासक

खिल्ली ----मजाक

कविता में आए हुए मिलते जुलते शब्द:

किल्ली ---दिल्ली

जमाना–लहराना

घूमंगा----करूंगा

खाना----जाना

विलोम शब्द

बड़ी---छोटी.

जाना---आना

अपना---पराया

दिन----रात